HARYANA STATE HIGHER EDUCATION COUNCIL

No. **14/26-2022 Adv./HSHEC** Dated **27.11.2022**

परिषद् द्वारा आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला का समापन
देश में पहली बार शैक्षणिक नेतृत्व पर कार्यशाला का आयोजन
प्रत्येक विश्वविद्यालयों के वित्त अधिकारी, परीक्षा नियंत्रक एवं तीन वरिष्ठ प्राध्यापक शामिल

पंचकुला, 27 नवंबर।

हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद् द्वारा 'शैक्षणिक नेतृत्व: विमर्श' विषय पर आयोजित कार्यशाला के दूसरे दिन प्रदेश के शासकीय विश्वविद्यालयों के वित्त अधिकारी, परीक्षा नियंत्रक एवं वरिष्ठ प्राध्यापकों को संबोधित करते हुए परिषद् के अध्यक्ष प्रो. बृज किशोर कुठियाला ने कहा कि हरियाणा की उच्च शिक्षा की वर्तमान स्थिति और भविष्य की स्थिति को नेतृत्व करने का कमान विश्वविद्यालयों के वित्त अधिकारी, परीक्षा नियंत्रक एवं वरिष्ठ प्राध्यापकों के हाथ में है। प्रो. कुठियाला ने कहा कि राज्य स्तर पर शैक्षणिक क्षेत्र में कार्य करने वाले व्यक्तियों की एक टीम है। उस टीम में हम सभी योगदान है। यह व्यक्ति, सामुहिक या दोनों ही रुप में होता है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों में कुलपति, कुलसचिव और अधिष्ठाता के साथ निर्मित टोली में वित्त अधिकारी, परीक्षा नियंत्रक और वरिष्ठ प्राध्यापकों की भूमिका महत्वपूर्ण है। इन्हें शैक्षणिक नेतृत्व को बताना होता है कि उन्हें क्या और कैसे करना है। उनके दिये कार्य को भी अपने पद के अनुसार करना होता है। शैक्षणिक नेतृत्व की भावना को दृष्टि देने का कार्य, कार्य से मुख्य फैक्टर को खोज कर प्रकाश में लाने का कार्य भी वित्त अधिकारी, परीक्षा नियंत्रक एवं वरिष्ठ प्राध्यापक ही करते है। प्रो. कुठियाला ने कहा कि उच्च शिक्षा को लेकर राज्य सरकार, उच्च शिक्षा विभाग की एक कल्पना है। उस कल्पना को संभव बनाने का कार्य शैक्षणिक नेतृत्वकर्ताओं को करना होता है। इसमें वरिष्ठ प्राध्यापक सीखने सिखाने के कार्य करते है। वे सीख कर आने से लेकर आने पीढ़ी को सिखाने तक का कार्य करते है। इन कार्यों का प्रमाणित करने का कार्य परीक्षा नियंत्रक का होता है और वित्त प्रबंधन का कार्य वित अधिकारी देखता है। इस तरह जब विश्वविद्यालय में कुलपति, कुलसचिव, अधिष्ठाता, परीक्षा नियंत्रक, वित्त अधिकारी एवं वरिष्ठ प्राध्यापक एक टीम की भावना से कार्य करते है तो विश्वविद्यालयों के उद्देश्यों की पूर्ति होने के साथ राष्ट्र की शिक्षा व्यवस्था को मजबूती मिलती है। प्रो. कुठियाला ने कहा कि विश्वविद्यालयों में एक दूसरे पर निर्भर होने की जगह एक दूसरे को सहयोग करने की भावना से कार्य करने की आवश्यकता है। परिषद् के अध्यक्ष प्रो. बृज किशोर कुठियाला ने कार्यशाला आयोजन के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रशासनिक अधिकारियों को दायित्व देने से पहले दायित्व बोध का प्रशिक्षण दिया जाता है लेकिन शैक्षणिक जगत में यह नहीं होता। इसलिए विश्वविद्यालयों में लोग सामुहिक भावना के बदले व्यक्तिगत स्तर पर अपने दायित्वों का निर्वहन करते है। इससे परिणाम अपेक्षित नहीं होता। इसलिए हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद् ने एक शोध कराया जिसमें यह बात सामने आयी कि विश्वविद्यालय में शैक्षणिक नेतृत्व को आपस में संवाद करने की आवश्यकता है। प्रदेश के शैक्षणिक जगत के नेतृत्वकर्ताओं को टीम की भावना से कार्य करने हेतु संवाद के लिए इस कार्यशाला का आयोजन किया गया है।

Takniki Shiksha Sadan, Bays No. 7-12, Sector – 4, Panchkula – 134112
Contact No-0172-2570743, 2580435 (PBX) Email- chairpersonhshec@gmail.com

कार्यशाला के दूसरे दिन मुख्य वक्ता के रूप में देश के प्रसिद्ध शिक्षाविद् मुकुल कानिटकर ने कहा कि हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद् द्वारा आयोजित इस कार्यशाला का उद्देश्य फाइलों में फोकस करने वाले अधिकारियों को बड़ा कैनवास उपलब्ध कराना है। उन्होंने वरिष्ठ प्राध्यापकों, वित अधिकारियों एवं परीक्षा नियंत्रकों से कहा कि आनंद के साथ कार्य करने से कार्य परिणाम सुखद होता है और यह कार्य जब सामुहिकता से की जाती है तो उसका परिणाम सफलता को प्राप्त करता है। श्री कानिटकर ने कहा कि शैक्षणिक नेतृत्व में कुलपति, कुलसचिव, वित अधिकारी, परीक्षा नियंत्रक और प्राध्यापक जब आपसे में ताना-बाना बुन कर कार्य करते है तो विद्यार्थियों के माध्यम से वे राष्ट्र निर्माण कर रहे होते है।

कार्यशाला में रोल प्ले खेल का आयोजन

हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद् द्वारा शैक्षणिक नेतृत्व विषय पर आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में दो रोल प्ले खेल के माध्यम से कर्तव्य बोध का प्रशिक्षण दिया गया। पहले खेल का विषय मेरा ही, मेरा भी, मेरा नहीं था। इस गेम में सभी सहभागियों को विश्वविद्यालय के अनुसार एक पैनेल में तीन वरिष्ठ प्राध्यपक, परीक्षा नियंत्रक और वित अधिकारी का एक समूह बनाया गया था। इस तरह कुल 15 विश्वविद्यालयों के प्रत्येक समूह को परिषद् से प्राप्त एक काल्पनिक प्रतिवेदन के आधार पर कार्यवाही का प्रारूप प्रस्तुत करने को कहा गया। सभी प्रतिभागियों ने अपने समूह के कार्यों का विवरण समूह के माध्यम से प्रस्तुत किया। परिषद् के अध्यक्ष प्रो. बृज किशोर कुठियाला ने सभी सहभागियों से खेल के उपरांत खेल के उद्देश्यों पर चर्चा कर विश्वविद्यालयों में व्याप्त समस्याओं को बताया और उसके समाधान के कारक को प्रस्तुत किया। दूसरे खेल का विषय 'मैं कौन' था। इस खेल में वित अधिकारियों का एक समूह, वरिष्ठ प्राध्यापकों का एक समूह और परीक्षा नियांत्रकों का एक समूह बनाया गया। सभी समूह के सभी सदस्यों ने अपने दायित्व बोध पर व्यापक दृष्टि प्रस्तुत की। इस खेल के माध्यम से सभी प्राध्यापकों, परीक्षा नियंत्रकों एवं वित अधिकारियों को उनके दायित्वों को बोध कराने का प्रयास किया गया। रोल प्ले सत्र का संचालन परिषद् के अध्यक्ष प्रो. बृज किशोर कुठियाला ने किया। अंत में सभी सहभागियों से रोल प्ले के आधार पर समस्या से समाधान प्राप्त करने के विषय पर चर्चा भी की गई। कार्यशाला में सभी सहभागियों का स्वागत परिषद् के परामर्शदाता के.के. अग्निहोत्री और संचालन परिषद् के कनिष्ठ शैक्षणिक अन्वेषक एवं नियोजक अपूर्व पांडेय ने किया।

भवदीय

श्री के.के. अग्निहोत्री
परामर्शदाता
हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद्
मो. 9815555548

HARYANA STATE HIGHER EDUCATION COUNCIL

No. **14/26-2022 Adv./HSHEC** Dated **26.11.2022**

परिषद् द्वारा आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ
देश में पहली बार शैक्षणिक नेतृत्व पर कार्यशाला का आयोजन
कार्यशाला में प्रदेश के सभी शासकीय विश्वविद्यालय के कुलपति, कुलसचिव और अधिष्ठाता शामिल

पंचकुला, 26 नवंबर।

हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद् द्वारा आयोजित 'शैक्षणिक नेतृत्व: विमर्श' विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ हो गया। कार्यशाला के पहले परिषद् के अध्यक्ष प्रो. बृज किशोर कुठियाला एवं मुख्य वक्ता के रूप में देश के प्रसिद्ध शिक्षाविद् मुकुल कानिटकर ने प्रदेश के 15 विश्वविद्यालयों शीर्ष अधिकारियों को संबोधित किया। कार्यशाला में अतिथियों का स्वागत करते हुए परिषद् के अध्यक्ष प्रो. बृज किशोर कुठियाला ने कहा कि प्रदेश में विश्वविद्यालयों के कुलपति, कुलसचिव और अधिष्ठाता ही उच्च शिक्षा में नेतृत्वकर्ता है। उच्च शिक्षा संस्थानों में शैक्षिक रूपरेखा, वातावरण एवं बेहतरी के लिए इन्हीं लोगों की टोली सक्रियता के साथ कार्य करती है। प्रो. कुठियाला ने कहा कि उच्च शिक्षा के संस्थानों में युवाओं के सर्वांगिक विकास के लिए वातावरण बनाना जा रहा है। इस संदर्भ में हरियाणा का क्रम अन्य राज्यों के मुकाबले काफी बेहतर है। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा से संबंधित बुद्धिधर्मी व्यक्तियों के अनुभव को एक –दूसरे से साक्षा करने के लिए हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद् एक प्लेटफार्म के रूप में कार्य कर रहा है। इस तरह का कार्य देश में पहली बार हरियाणा में परिषद् द्वारा किया जा रहा है। प्रो. कुठियाला ने कहा कि समाज ने व्यक्ति के अनुभवों, सांगठनिक प्रतिबद्धता और नेतृत्व कौशल को ध्यान में रखते हुए उच्च शिक्षा में बेहतर कार्य करने का दायित्व दिया है। यह दायित्व सामुहिक भाव के साथ कार्य करने के लिए होती है। प्रो. कुठियाला ने कार्यशाला आयोजन की पृष्ठभूमि पर चर्चा करते हुए कहा कि जब सामुहिक चेतना सामुहिक दृष्टि में बदलती है तो साकारात्मकता के साथ कार्य करने करने का भाव बनने लगता है या बनाने की प्रक्रिया आरंभ होती है। उन्होंने कहा कि कार्यशाला के मंथन से प्राप्त नवनीत को शैक्षणिक नेतृत्व की दिशा में पॉलिसी डाक्यूमेंट बनाने की कोशिश की जायेगी। प्रो. कुठियाला ने बताया कि कार्यशाला के दूसरे दिन प्रदेश के सभी शासकीय विश्वविद्यालयों के वरिष्ठ प्राध्यापक, वित्त अधिकारी एवं परीक्षा नियंत्रक शामिल होंगे।

कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में देश के प्रसिद्ध शिक्षाविद् मुकुल कानिटकर ने कहा कि हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद् द्वारा आयोजित इस कार्यशाला का विषय कर्तव्यबोध एवं कार्य विभाजन उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए प्रासंगिक एवं अनिवार्य हो गया है। श्री कानिटकर ने कहा कि स्वायत्तता एवं स्वतंत्रता विमर्श के भाग होते है। वर्तमान का शैक्षणिक नेतृत्व स्वायत्तता दे रही हैं लेकिन कोई लेने को तैयार नहीं है। स्वायत्तता दायित्व के साथ आती है। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक नेतृत्वकर्ताओं को अपना आदर्श प्रस्तुत करना होगा। आज समाज परिवर्तन के लिए तैयार है। शिक्षा का बीज परिवर्तन के इस दौर में समय से विद्यार्थियों के अंदर डाल दिया जाये जो उनका अंकुरन ठीक से होगा जिससे शिक्षा में बहुत बड़ा परिवर्तन हो सकता है। उच्च शिक्षा के नेतृत्वकर्ता कुलपति, कुलसचिव और अधिष्ठाता इस परिवर्तन के वाहक होंगे। श्री कानिटकर ने कहा कि उच्च शिक्षा संस्थानों में स्नेह, आत्मियता और मातृत्व भाव से कार्य करने की आवश्यकता है।

Takniki Shiksha Sadan, Bays No. 7-12, Sector – 4, Panchkula – 134112
Contact No-0172-2570743, 2580435 (PBX) Email- chairpersonhshec@gmail.com

कार्यशाला में गेम प्ले का आयोजन

हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद् द्वारा शैक्षणिक नेतृत्व विषय पर आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में दो गेम प्ले भी सहभागियों के बीच आयोजित किया गया। पहले गेम का विषय मेरा ही, मेरा भी, मेरा नहीं था। इस गेम में सभी सहभागियों को विश्वविद्यालय के अनुसार तीन –तीन के पैनेल में कुलपति, कुलसचिव और समूह बनाये गए थे। सभी समूहों के समक्ष विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, दिल्ली विश्वविद्यालय और परिषद् से प्राप्त एक काल्पनिक प्रतिवेदन के आधार पर कार्यवाही का प्रारूप प्रस्तुत किया गया और प्रत्येक समूह से प्रारूप में उल्लेखित परिस्थिति के आधार पर दस विंदु प्रस्तुत करने को कहा गया। सभी प्रतिभागियों ने प्रशन्ता के साथ भाग लिया । दूसरे गेम का विषय 'मैं कौन' था। इस गेम में सभी सहभागियों को तीन समूह बनाये गए थे। सभी समूह में 15-15 सदस्य थे। सभी समूहों से कार्य दायित्व पर मंथन कर 5 विंदु प्रस्तुत करने को कहा था। गेम प्ले सत्र का संचालन परिषद् के अध्यक्ष प्रो. बृज किशोर कुठियाला ने किया। अंत में सभी सहभागियों से गेम प्ले के आधार पर समस्या से समाधान प्राप्त करने के विषय पर चर्चा भी की गई। कार्यशाला में सभी सहभागियों का स्वागत परिषद् के उपाध्यक्ष प्रो. कैलाशचंद्र शर्मा और उद्घाटन सत्र का संचालन परिषद् के परामर्शदाता के.के. अग्निहोत्री ने किया।

भवदीय

श्री के.के. अग्निहोत्री
परामर्शदाता
हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद्
मो. 9815555548